दूर शिक्षा निदेशालय

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम - पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर (एम.जे.एम.सी)

सत्र : 2017-18, प्रथम वर्ष

क्र.	प्रश्नपत्र कोड	विषय
1	MJMC - 01	जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन
2	MJMC - 02	फीचन लेखन एवं पत्रिका संपादन
3	MJMC – 03	जनसंचार शोध प्रविधि
4	MJMC – 04	जनसंचार के सिद्धांत

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

गांधी हिल्स, वर्धा – 442001 (महाराष्ट्र) भारत

नोट – सभी विद्यार्थी सत्रीय कार्य अंतिम तिथि तक संबंधित केंद्र जहां कि विद्यार्थी ने प्रवेश लिया है, अवश्य जमा कर दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 15 मई 2018, सायं 05:00 बजे तक

सत्रीय कार्य (Assignment) 2017-18

1	MJMC - 01	जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन
2	MJMC - 02	फीचन लेखन एवं पत्रिका संपादन
3	MJMC – 03	जनसंचार शोध प्रविधि
4	MJMC – 04	जनसंचार के सिद्धांत

सत्रीय कार्य का प्रारूप -

दूरशिक्षा के अंतर्गत अध्ययनरत एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को उपरोक्त विषयों के सत्रीय कार्य पूर्ण करने हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए निम्नलिखित प्रारूप में सत्रीय कार्य (चार लघु उत्तरीय व एक दीर्घ उत्तरीय कार्य) करना होगा –

सत्रीय कार्य कोड – एमजेएमसी 1/2015-16 **कुल अंक : 30 (20+10)**

1- लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04,
   प्रत्येक हेतु अधिकतम अंक 05 अर्थात (04 × 05 = 20)
2- लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) – कुल संख्या : 01,
   अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)

नोट – सभी विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य को पूर्ण करने के लिए दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा पाठ्यचर्या की उपलब्ध पुस्तक/पुस्तिका/पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात लेखन कार्य करेंगे। प्रत्येक सत्रीय कार्य निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करेंगे। यह सत्रीय कार्य पाठ्य सामग्री, अन्य पुस्तक व संदर्भ द्वारा विकसित समझ और ज्ञान के □धार पर लिखना होगा। □स लेखन में विषयवस्तु के अंतर्गत ऐतिहासिक संदर्भ, अवधारणात्मक पहलू , समकालीन स्थितियों के साथ विभिन्न दृष्टिकोण, □लोचनात्मक परिप्रेक्ष्य और विश्लेषण का समावेश हो तथा उदाहरण सहित उल्लिखित किया जाना चाहिए जिससे विषय की प्रासंगिकता स्पष्ट दिखे।

सत्रीय कार्य हेतु निर्देश -

१- सत्रीय कार्य लेखन के प्रथम पृष्ठ पर अध्ययन केंद्र का नाम, पाठ्यक्रम कोड, पाठ्यक्रम का नाम, अनुक्रमांक, सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र/विषय/शीर्षक का नाम निम्नलिखित प्रारूप में लिखेंगे।
२- अपना नाम, दर्शाया गया/पत्राचार का पता, दिनांक सहित हस्ताक्षर अवश्य उल्लेखित कीजिए।

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

सत्रीय कार्य (Assignment) 2017-18

पाठ्यक्रम - पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर (एम.जे.एम.सी)
सत्र : 2017-18, प्रथम वर्ष

अध्ययन केंद्र का नाम - ....

पाठ्यक्रम कोड - ....

पाठ्यक्रम का नाम - ....

अनुक्रमांक - ....

सत्रीय कार्य/विषय का नाम - ....

दिनांक -

स्थान -

हस्ताक्षर

(विद्यार्थी का नाम)

अभ्यर्थी का नाम - ....

पता - ....

....

....

क्रम	प्रश्नपत्र कोड	प्रश्नपत्र का नाम
1	MJMC - 01	**जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन (MJMC - 01)** **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** 1- टेलीविजन लेखन के मूल तत्व क्या होते हैं ? टेलीविजन लेखन कौशल हेतु क्या सावधानियां की जानी चाहिए ? 2- रेडियो लेखन में नाटक लेखन किस प्रकार विशेष है ? नाटक लेखन में भाषा और संवाद विकसित करने की कला को बतलाएं। 3- विज्ञापन के प्रमुख तत्व क्या होते हैं? एक विज्ञापन की कॉपी की अनिवार्यताओं को दर्शाएं। 4- जनसंपर्क क्यों महत्वपूर्ण होता है? जनसंपर्क कार्य विस्तार के लिए क्या महत्वपूर्ण पहलू होते हैं ? **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) – कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** 1- सृजनात्मक लेखन की प्रमुख विधाओं को बतलाएं और वर्तमान पत्रकारिता में सृजनात्मक लेखन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
2	MJMC - 02	**फीचन लेखन एवं पत्रिका संपादन (MJMC - 02)** **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** 1- फीचर क्या होता है और इसके तत्व क्या होते हैं? 2- स्वतंत्र पत्रकारों द्वारा किए जाने वाले लेखन की विशेषताओं को बतलाएं और इनकी समस्याओं को भी दर्शाएं। 3- पत्रकारिता विचाराभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, स्पष्ट करें। परिवर्तन के लिए पत्रकारिता की क्या भूमिका हो सकती है ? 4- पत्रकारिता में समीक्षा के महत्व को बतलाएं। एक नाटक समीक्षा के क्या मानदण्ड होने चाहिए? **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) – कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** 1- समाचारपत्र के लिए संपादकीय प्रबंधन की प्रक्रिया को बताएं तथा इनकी कठिनाइयों को भी उल्लिखित कीजिए।

<table>
<tr><td>3</td><td>MJMC – 03</td><td>

जनसंचार शोध प्रविधि (MJMC - 03)

लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)

1- जनसंचार अनुसंधान की उपयोगिता और शोध की वैज्ञानिकतापर प्रकाश डालिए।
2- जनसंचार शोध समस्या का चयन किस प्रकार किया जाता है ? इसकी निर्धारण प्रक्रिया और स्रोत को भी बतलाएं।
3- शोध परिकल्पना से आप क्या समझते हैं? परिकल्पना निर्माण की पद्धति का उल्लेख कीजिए।
4- प्रश्नावली सूची क्या होती है तथा यह कितने प्रकार की होती है?

लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) – कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)

1- साक्षात्कार के उद्देश्य तथा सावधानी क्या होती हैं तथा इसके द्वारा तथ्य और स्रोत सामग्री किस प्रकार उपयोगी होती है?
</td></tr>
<tr><td>4</td><td>MJMC – 04</td><td>

जनसंचार के सिद्धांत (MJMC - 04)

लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) – कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)

1- संचार के विभिन्न रूप को बतलाएं।
2- सामाजिक परिवर्तन में जनसंचार माध्यमों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
3- समाज और जनसंचार परस्पर किस प्रकार पूरक हैं? विभिन्न माध्यमों की भूमिका उदाहरण सहित बतलाएं।
4- प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम की प्रासंगिकता पर प्रकार डालिए।

लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) – कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)

1- जनसंचार के सिद्धांतों का महत्व बताएं तथा किसी दो संचार सिद्धांतों की तुलनात्मक व्याख्या कीजिए।
</td></tr>
</table>